

खबर संक्षेप



यमुनानगर। अपराध शाखा वन की टीम द्वारा पकड़ा गया आरोपी।

युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। अपराध अन्वेषण शाखा वन की टीम ने युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले में एक आरोपी को अंबाला शहर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दुखेड़ी निवासी विश्वजीत पुत्र ताराचंद के रूप में हुई है। टीम प्रभारी राजकुमार ने बताया कि उप निरीक्षक जसबीर सिंह समेत पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार 5 जून को पुरानी रंजिश के चलते नाहरपुर-ताहरपुर में खेत में 32 वर्षीय उर्जनी निवासी नवीन की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस तभी से आरोपी की तलाश कर रही थी।

मकान का ताला तोड़कर 62 हजार का सामान चोरी

यमुनानगर। व्यासपुर की राम कॉलोनी में चोरों ने सुने मकान का ताला तोड़कर करीब 62 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। राम कॉलोनी निवासी सीमा शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 8 सितंबर को मकान पर ताला लगाकर किसी काम से बाहर गई थी। अगले दिन लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला और घर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर एक इनवर्टर, बेटरी, पीतल के बर्तन, चांदी की पायल, पंखा समेत अन्य सामान गायब मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके की जांच की। शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा यमुनानगर। जठलाना थाना क्षेत्र में 21 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर अगवा करने का मामला सामने आया है। युवती के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मनजीत को खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शिकायत में पिता ने बताया कि 10 सितंबर की रात उनकी बेटी खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थी। सुबह उठने पर वह घर से गायब मिली। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जांच के दौरान पता चला कि मनजीत नामक युवक उनकी बेटी को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया है।

छह साल से फरार इनामी बदमाश पकड़ा पानीपत। पानीपत पुलिस की अपराध जांच शाखा की टीम ने छह साल पुराने चैन स्नेचिंग के केस में फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश जय निवासी शामली, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। वहीं, जय कुख्यात अपराधी है और उस पर हरियाणा और पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में चोरी व स्नेचिंग के 50 केस दर्ज हैं। डीएसपी हेडक्वार्टर विकास कुमार ने बताया कि जय पर 2020 की स्नेचिंग की वारदात का वांछित आरोपी है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी और स्नेचिंग के कुल 50 मामले दर्ज मिले हैं। इनमें से सात मुकदमे पानीपत के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

पानीपत: लूट के दो आरोपी पकड़े पानीपत। पुलिस ने गांव खोजकीपुर के पास सोनीपत के कस्बा गन्नीर में दुकान करने वाले प्रदीप पुत्र कृष्ण निवासी गांव तुगाना जिला बागपत नाल निवासी गांव मछरौली से बाइक और मोबाइल फोन लूटने के दो आरोपियों रिहान पुत्र मोमिन व विकास पुत्र महमूदीन निवासी गांव हथवाला पानीपत को गिरफ्तार किया है।

कुरुक्षेत्र में वाल्मीकि मंदिर में कैबिनेट मंत्री का अभिनंदन, लड्डुओं से तोला, बोले पहले रोहतक-किलोई और सिरसा से चलती थी सरकार, अब जनता की सरकार

- 37 दिन की हड़ताल के बाद सफाई व्यवस्था पटरी पर लाना सरकार का फोकस
 - गीता स्कूल के प्राइमरी विंग का शिलान्यास, भवन निर्माण के लिए 11 लाख देने की घोषणा
- हरिभूमि न्यूज» कुरुक्षेत्र

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र पहुंचकर विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले सरकार रोहतक, किलोई और सिरसा से चला करती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। मौजूदा सरकार किसी एक इलाके या किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि जनता की सरकार है और लोगों के सहयोग से चल रही है। वाल्मीकि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर समाज के लोगों ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान उन्हें लड्डुओं से भी तोला गया।



कुरुक्षेत्र। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को लड्डुओं से तोलते समाज के लोग।

फोटो : हरिभूमि

जनहित के मुद्दों पर काम कर रही सरकार

बेदी ने कहा कि सरकार हमेशा जनता के साथ खड़ी है और जनहित के मुद्दों पर काम कर रही है। 37 दिन तक चली सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार और कर्मचारियों के बीच बातचीत हुई थी। कई मांगों पर सहमति बनने के बाद कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। अब सरकार का अगला फोकस शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर तरीके से चलाना संभव नहीं है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने श्रीमद् भगवद् गीता स्कूल के प्राइमरी विंग की बिल्डिंग का शिलान्यास भी किया। उन्होंने बिल्डिंग के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की।

अब पंजाब के कर्मचारी मांग रहे हरियाणा मॉडल : बेदी



कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भगवद् गीता प्राथमिक विद्यालय बालघर के प्रथम तल बिल्डिंग का शिलान्यास करते कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी।

कुरुक्षेत्र। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि आज पंजाब के कर्मचारी और नागरिक वहां की सरकार से हरियाणा मॉडल व पैटर्न लागू करने की मांग कर रहे हैं, जबकि 2014 से पहले हरियाणा के कर्मचारी पंजाब पैटर्न की मांग करते थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश का समान रूप से विकास कराया जा रहा है। बेदी शनिवार को श्रीमद् भगवद् गीता प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले उन्होंने विद्यालय के प्रथम तल का शिलान्यास किया और संस्थान को 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ संस्कार और अच्छे विचार देने का केंद्र भी है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने पेंशनधारकों के 36 लाख खातों को ऑनलाइन कर सीधे खातों में राशि पहुंचाने की व्यवस्था की। युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। प्रदेश में जाति, क्षेत्र और परिवारवाद से ऊपर उठकर

समान विकास कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों की मांगों पर सहमति बनने के बाद कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। कार्यक्रम में सह प्रांत कार्यवाह एवं मुख्य वक्ता डा. प्रीतम सिंह, हिंदू शिक्षा समिति के हरियाणा अध्यक्ष डा. ऋषिराज वशिष्ठ, समाजसेवी लालजपत राय सिंगला, स्कूल समिति के अध्यक्ष मोहिंद्र पाल सिंगला, प्रबंधक जीवन मोदगिल, प्रधानाचार्यां चेतना वशिष्ठ, सुखबीर चंद रायसन सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पिहोवा: सो रहे व्यक्ति पर पत्थर से हमला, सिर-चेहरे पर किए 5 वार

पिहोवा। सरस्वती घाट पर सो रहे व्यक्ति पर बीती रात एक बदमाश ने तालबंदी हमला कर दिया। आरोपी ने व्यक्ति के पास पहुंचकर नीचे पड़ा पत्थर उठाया और उसके सिर व चेहरे पर वार किए। हमले में व्यक्ति के सिर और आंखों के आसपास गंभीर चोटें आईं। लहलुहान हालत में पीड़ित ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पूरी वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें आरोपी सोते हुए व्यक्ति के पास पहुंचता दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह नीचे से पत्थर उठाकर उस पर हमला करता है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने चार-पांच बार पत्थर से वार किए। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया पत्थर भी मौके से बरामद कर लिया है। पिहोवा के बलबीर सिंह (39) ने बताया कि वह मेहत-मजदूरी करता है। रात को खाना खाने के बाद वह सरस्वती घाट पर बर्फ की फैक्ट्री के सामने बसे बाथरूम के पास रेहड़ी पर बिस्तर लगाकर सो गया था। रात करीब 1:30 बजे एक युवक उसके पास आया। युवक ने अचानक नीचे पड़ा पत्थर उठाकर उसके सिर पर मार दिया। इसके बाद वह रेहड़ी से नीचे उतर गया, आरोपी को पहचान लिया। आरोपी पिहोवा का ही रहने वाला आशु था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

■ आंख खुली तो सिर-चेहरे पर बरसा रहा था पत्थर, लहलुहान हालत में भागकर बचाई जान

जल्द खरीद शुरू करने के साथ पर्याप्त बारदाना उपलब्ध कराने की मांग

नमी अधिक बताकर धान सुखाने को कहा

हरिभूमि न्यूज» मुगाना

अनाज मंडी में धान की फसल की आवक शुरू हो गई है। अभी तक सरकारी खरीद शुरू नहीं होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंडी में धान लेकर पहुंच रहे किसानों की फसल को नमी अधिक होने के कारण उसे सुखाने के लिए कहा जा रहा है और सुखाई के बाद भी खरीद की व्यवस्था नहीं होने पर किसानों को अपनी फसल वापस ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि धान की फसल पककर तैयार हो चुकी है और खेतों में धान की फसल तैयार खड़ी है और आगामी दिनों में उसे भी काटा जाएगा। किसानों का कहना है कि अनाज मंडी में सुखाई के बाद उठवाई गई धान को रखने के लिए उनके पास धान को खरीद शुरू होने तक सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त स्थान और व्यवस्था नहीं है।



मंडी में सूखती धान की फसल दिखाते किसान जसबीर सिंह

मंडी में फसल लेकर आने के बाद उसे वापस ले जाना उनके लिए अतिरिक्त परेशानी के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बन रहा है। किसानों को बार-बार मजदूरी, दुलाई और अन्य खर्च वहन करना पड़ रहा है। साथ ही किसानों का कहना है कि इस समय मौसम भी परिवर्तनशील बना हुआ है। यदि बारिश हुई तो उन्हें खेतों से धान की फसल निकालने में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

हमीरपुर के प्रगतिशील किसान जसबीर सिंह ने बताया कि उनकी धान की फसल पककर तैयार है और मंडी में आवक शुरू हो गई है, लेकिन सरकारी खरीद के इंतजाम नहीं हुए हैं। किसानों के पास फसल सुरक्षित रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और आदितियों से बारदाना भी नहीं मिल रहा। मंडी से धान वापस ले जाने पर किसानों को अतिरिक्त मजदूरी और दुलाई का खर्च उठाना पड़ रहा है। वहीं, खेतों में खड़ी दूसरी फसल की कटाई भी शुरू होने वाली है। ऐसे में फसल रखने की समस्या किसानों के लिए विला का विषय बनती हुई है।

जल्द शुरू हो धान की खरीद

किसान जसबीर, सुनील, निर्मल और प्रदीप ने मंडियों में धान की सरकारी खरीद जल्द शुरू करने की मांग की है। किसानों ने कहा कि पर्याप्त बारदाना, लेबर और अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें फसल वापस घर न ले जानी पड़े। समय पर खरीद नहीं होने से भंडारण की समस्या के साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

कड़ासन गांव के निकट दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दर्जी की मौत

हरिभूमि न्यूज» शहजादपुर

शहजादपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कड़ासन में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का एक और खौफनाक मामला सामने आया है। कड़ासन गांव के पास एक तेज रफ्तार बाइक ने घर लौट रहे एक दर्जी की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई के बयान पर आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में सुनील कुमार ने बताया कि उनके बड़े भाई कुलदीप सिंह कोडवा खुर्द गांव में दर्जी काम करते थे। 11 सितंबर 2026 की रात करीब 9 बजकर 50 मिनट पर जब कुलदीप सिंह अपनी दुकान बंद करके मोटरसाइकिल पर सवार होकर कड़ासन लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। शिकायतकर्ता भाई भी

उनके पीछे-पीछे अपनी बाइक पर आ रहा था। जब कुलदीप सिंह कड़ासन गांव के शराब ठेके के पास पहुंचे तो विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य बाइक के चालक ने अपनी गाड़ी को अत्यंत तेज गति से सीधे उनकी बाइक में टक्कर मार दी। शिकायत में बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुलदीप सिंह हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे जिससे उनके सिर, छाती और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद राहगीरों की मदद से डायल 112 पर सूचना दी गई। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल कुलदीप सिंह को इलाज के लिए सीएचसी शहजादपुर पहुंचाया। इयूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के भाई सुनील कुमार के बयान पर आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घिलोर माजरी गांव के पास हादसा

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज» यमुनानगर

रादौर थाना क्षेत्र के घिलोर माजरी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार राकेश की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त अजय कुमार घायल हो गया। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घिलोर माजरी निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उसका भाई राकेश 10 सितंबर की रात करीब साढ़े नौ बजे दोस्त अजय के साथ बाइक से घर



लौट रहा था। गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। दोनों घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान राकेश ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

टायर दुकानदार पर लाठी-डंडों व हथियारों से जानलेवा हमला

शहजादपुर। गांव कोडवा खुर्द में एक टायर दुकान संचालक पर कुछ युवकों द्वारा लाठी-डंडों और हथियारों से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुख्य आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता गुरप्रीत सिंह ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि गांव में उसकी टायरों की दुकान है। घटना 6 सितंबर 2026 की रात करीब साढ़े दस बजे की है, जब वह अपनी दुकान पर मौजूद था। उसी दौरान कुछ युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए, जिनके हाथों में डंडे और अन्य हथियार थे। आरोपियों ने दुकान पर पहुंचते ही उस पर अचानक हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और आसपास के लोगों ने घायल अवस्था में उसे नागरिक अस्पताल छावनी पहुंचाया। पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके आधार पर शिकायतकर्ता के बयानों की तस्दीक करते हुए पीए, अमन, विशाल पात्रा उर्फ ओमपात्रा एवं 2-3 अन्य हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बाइक सवार बदमाशों ने घेर लिया जख्मी

अंबाला में समन देने आए सिपाही पर हमला

हरिभूमि न्यूज» अंबाला

बदमाशों के हासिले बुलंद हो गए हैं। बेखौफ अपराधियों ने इस बार आम जनता को नहीं, बल्कि कानून के रखवालों को ही अपना निशाना बना डाला। गुरुग्राम से समन देने के लिए सेंट्रल जेल जा रहे एक पुलिस कांस्टेबल पर चार बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने लूटपाट की मंशा से सिपाही पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। उनसे मोबाइल फोन व पर्स छीनकर मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल पुलिस कर्मचारी को तुरंत अंबाला शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिपाही को कई गंभीर चोटें आई हैं। बता दें कि सिपाही प्रोडक्शन वारंट देने आया था। पीड़ित की पहचान कांस्टेबल मुकेश कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में गुरुग्राम पुलिस में तैनात



हैं। मुकेश कुमार अंबाला सेंट्रल जेल में चोरी के आरोप में बंद इमरान के सिलसिले में प्रोडक्शन वारंट रिसीव कराने के लिए आए थे। शुरूआती जांच के मुताबिक जब कांस्टेबल मुकेश दोपहर करीब अढ़ाई बजे अंबाला शहर के बलदेव नगर इलाके में आंटो से उतरे और पैदल ही अपने गंतव्य की ओर कुछ दूरी पर आगे बढ़े तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। इसके बाद आरोपियों पर तेजधातु हथियार से जानलेवा हमला कर दिया।

खबर संक्षेप



दुकानदारों ने शिवाजी मार्केट में लगाया भंडारा

रादौर । रादौर की शिवाजी मार्केट के दुकानदारों व स्थानीय नागरिकों ने मार्केट में भंडारे का आयोजन किया। भंडारे से पहले हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की खुशहाली और सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना की गई। समाजसेवी प्रमोद गर्ग, भारत माटिया, सुभाष प्रजापत, अशोक गर्ग व सुरेश प्रतापत आदि ने बताया कि हर वर्ष शिवाजी मार्केट के दुकानदार व स्थानीय लोग मिलकर सभी की सुख शांति को लेकर भंडारे का आयोजन करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हवन में विश्व शांति व भाईचारे की कामना की जाती है। हमारे धार्मिक आयोजन हमारी प्राचीन सभ्यता का प्रतीक है। जो हमे आपस में मिलजुल कर रहने का संदेश देती हैं।

शादी का झांसा देकर किया नाबालिग के साथ दुष्कर्म

यमुनानगर। प्रताप नगर थाना क्षेत्र में युवक ने शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। जानकारी के अनुसार प्रताप नगर थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी के साथ अनिश की जान पहचान थी। आरोपी उसकी लड़की से फोन पर बात करने लगा। इस दौरान आरोपी ने उसकी लड़की को शादी करने का झांसा दिया। व्यक्ति ने बताया कि 10 सितंबर को आरोपी ने उसकी लड़की को मिलने के लिए बुलाया। जब उसकी लड़की आरोपी से मिलने के लिए गई तो आरोपी उसे सुनसान स्थान पर ले गया। जहां आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके लड़की के साथ दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी ने उसे शादी करने से मना कर दिया।

‘सिंगल यूज प्लास्टिक स्वच्छता के लिए चुनौती’

यमुनानगर। नगर निगम यमुनानगर जगाधरी की स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) टीम ने वार्ड नंबर सात स्थित रेडक्रास मार्केट को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान दुकानदारों और रेहड़ी पटरी संचालकों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान अभियान का नेतृत्व पार्षद प्रियांक शर्मा ने किया। इस दौरान पार्षद प्रियांक शर्मा ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के साथ साथ स्वच्छता व्यवस्था के लिए भी बड़ी चुनौती है।

दस दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव कल से

यमुनानगर। गणेश क्लब शहर के जब्जीवाला गुरुद्वारा के नजदीक स्थित न्यू पार्क में 14 सितंबर को बाढ़पाद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के अवसर पर दस दिवसीय गणेश उत्सव का शुभारंभ करेगा। सुबह शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश की मूर्ति की विधिविधान से स्थापना की जाएगी।

147 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶रादौर

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा गांव टोपरा कलां व टोपरा खुर्द में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविरों में चिकित्सकों ने 147 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की।

- नवीन जिंदल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा गांव टोपरा कलां व टोपरा खुर्द में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

मौके पर चिकित्सकों ने लोगों को मोसम में बदलाव के चलते बीमारियों से बचाव के बारे में उपाय बताए। फाउंडेशन के संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों में अधिकांश मरीज रक्तचाप, मधुमेह समेत विभिन्न सामान्य बीमारियों से पीड़ित पाए गए। इस दौरान नार्मल बीमारियों से पीड़ित मिले 119 मरीजों को मौके पर ही मुफ्त में दवाइयां दी गईं। जबकि 28 लोगों के रक्त एवं यूरिन के परीक्षण किए गए।



चिकित्सकों ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां, खान पान और बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को उनके घर के नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कई बार ग्रामीणों को सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए भी अस्पताल तक जाने में परेशानी होती है। ऐसे में मोबाइल मेडिकल यूनिट गांव में ही जांच, चिकित्सकीय सलाह और दवाइयां उपलब्ध कराकर लोगों के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

यमुनानगर

युवाओं ने फहराया जिला बार एसोसिएशन जगाधरी के चुनाव में परचम

जिला बार एसो. चुनाव में एडवोकेट दिनेश चौहान बने प्रधान, प्रदीप राठौर को हराया

• एडवोकेट दिनेश चौहान ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 558 मतों से दी मात

• प्रधान बने एडवोकेट दिनेश चौहान को मिले 1100 मत

हरिभूमि न्यूज ▶▶यमुनानगर

जिला बार एसोसिएशन जगाधरी (यमुनानगर) का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। जिला बार एसोसिएशन चुनाव में कुल मतदाता 1763 थे। जिनमें से कुल 1651 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। चुनाव में एडवोकेट दिनेश चौहान ने 1100 मत हासिल कर प्रधान पद पर विजय हासिल कर ली। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी प्रदीप राठौर को 558 मतों के अंतर से हराया। रिटर्निंग अधिकारी गुग्मेल सिंह मानीपुर व सहायक रिटर्निंग अधिकारी विक्रम प्रताप ने बताया कि जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में प्रधान पद के लिए दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। जिनमें से एडवोकेट दिनेश चौहान ने 1100 मत हासिल कर प्रधान पद का चुनाव जीत लिया। उन्होंने



प्रधान बने एडवोकेट दिनेश चौहान



चुनाव में पुरुष वर्ग में उपप्रधान बने धर्मवीर राठी



महिला वर्ग में उप प्रधान बनी एडवोकेट गरीमा खुराना

अपने प्रतिद्वंद्वी को 558 मतों के अंतर से हराया। उनके प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट प्रदीप कुमार राठौर को कुल 542 मत मिले। इसी तरह उप प्रधान पद के लिए पुरुष वर्ग में तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान जिनमें धर्मवीर राठी ने 808 मत हासिल कर उपप्रधान पद पर जीत हासिल कर ली।

उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट जसबीर सिंह राणा को 167 मतों के अंतर से हराया। एडवोकेट जसबीर सिंह राणा को कुल 641 मत मिले। जबकि तीसरे उम्मीदवार राकेश कुमार बरवाल को कुल 172 मत ही मिल सके। इसी तरह उप प्रधान पद के लिए महिला वर्ग में भी तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। जिनमें

एडवोकेट गरीमा सिंह खुराना ने 955 मत हासिल कर महिला वर्ग के उपप्रधान पद पर कब्जा जमा लिया। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट रजनीश बाला को 523 मतों के अंतर से हरा दिया। एडवोकेट रजनीश बाला को कुल 432 मत प्राप्त हुए। जबकि उनकी तीसरी प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट काजल ढांडा को कुल 252 मत ही मिले। वहीं, महासचिव के पद दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। जिनमें एडवोकेट पंकज शर्मा ने 1047 मत हासिल कर महासचिव का पद जीत लिया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट नितेश बंसल को 468 मतों के अंतर से हराया। एडवोकेट नितेश बंसल को कुल 579 मत मिले। जबकि तीसरे



महासचिव बने एडवोकेट पंकज शर्मा



ज्वाइंट सेक्रेटरी बनी एडवोकेट सीमा कांबोज



चुनाव में कैशियर बने सुमित मानी

सिमा कांबोज ज्वाइंट सेक्रेटरी बनीं

रिटर्निंग अधिकारी गुग्मेल सिंह मानीपुर ने बताया कि ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद के लिए भी तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। जिनमें से एडवोकेट सीमा कांबोज ने 838 मत हासिल कर ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर कब्जा जमा लिया। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी रही एडवोकेट लक्ष्मी रानी को 251 मतों के अंतर से हरा दिया। इस दौरान लक्ष्मी रानी को कुल 587 मत मिले। वहीं, तीसरी प्रतिद्वंद्वी रही एडवोकेट शिवानी नागपाल को कुल 310 मत ही प्राप्त हो सके। इसी तरह कैशियर के पद के लिए भी चुनाव में तीन उम्मीदवार मैदान में थे। जिनमें एडवोकेट सुमित मानी ने 872 मत हासिल कर कैशियर का पद जीत लिया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी रहे एडवोकेट साहिल शर्मा को 212 मतों के अंतर से हरा दिया। एडवोकेट साहिल शर्मा को कुल 660 मत मिले।

प्रतिद्वंद्वी रही एडवोकेट पूजा रानी को कुल 103 मत ही मिल सके। रिटर्निंग अधिकारी गुग्मेल सिंह मानीपुर व सहायक रिटर्निंग अधिकारी विक्रम प्रताप ने कहा कि

चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। उन्होंने सभी बार सदस्यों व चुनाव प्रक्रिया में लगे सभी सदस्यों का शांतिपूर्वक मतदान करवाने के लिए धन्यवाद दिया।

जनता स्कूल में प्रश्नोत्तरी करवाई

- भारत विकास परिषद ने भारत को जानो कार्यक्रम करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶रादौर

भारत विकास परिषद के तत्वावधान में जनता पब्लिक स्कूल अलाहर में विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति एवं गौरवशाली विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत को जानो कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भारत के इतिहास, संस्कृति, संविधान, भूगोल, महान विभूतियों, वैज्ञानिक उपलब्धियों एवं राष्ट्रीय विरासत से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान का प्रदर्शन किया।



यमुनानगर। जनता पब्लिक स्कूल अलाहर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

प्रधानाचार्या डॉ. कल्पना बजाज ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत से जोड़ने के साथ साथ उनके सामान्य ज्ञान एवं आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं। उन्होंने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भाविप का आभार व्यक्त

किया। प्रधानाचार्या ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रबोध को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। विद्यालय के चेयरमैन मुकेश शास्त्री ने प्रश्नोत्तरी के विद्यार्थियों एवं आयोजकों को बधाई दी।

विद्यालय सर्वांगीण विकास का आधार: संधावा

- समग्र शिक्षा अभियान के जिला परियोजना अधिकारी केएस संधावा ने शिवालि क क्षेत्र के फुटहिल्स से लगते विद्यालयों का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶यमुनानगर

समग्र शिक्षा अभियान के जिला परियोजना अधिकारी केएस संधावा ने विशेष निरीक्षण अभियान के तहत जिले के शिवालि क क्षेत्र के फुटहिल्स से लगते विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने रावमावि काठगढ़, आदिबढ़ी तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला शाहपुरा सहित विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं विद्यालयी व्यवस्थाओं का



यमुनानगर। आदिबढ़ी स्थित विद्यालय में औचक निरीक्षण के दौरान रिकार्ड की जांच करते हुए जिला परियोजना अधिकारी केएस संधावा। फोटो: हरिभूमि

जायजा लिया। जिला परियोजना अधिकारी केएस संधावा ने निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में अटल ट्रिकिंग लैब, पेयजल व्यवस्था, शौचालय सुविधाएं, विद्यालय प्रांगण की साफ. सफाई तथा अध्यापकों की भौतिक उपस्थिति को विशेष रूप से जांच की। उन्होंने विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध

सुविधाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया। इस दौरान अटल ट्रिकिंग लैब में अव्यवस्था पाए जाने पर संबंधित विद्यालय मुखिया को आवश्यक सुधार के लिए मौके पर ही निर्देशित किया गया। विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाना विद्यालय की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है।

सुधार के निर्देश

जिला परियोजना अधिकारी केएस संधावा ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केन्द्र नहीं है। बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए विद्यालयों में स्वच्छ वातावरण, स्वच्छ पेयजल, बेहतर शौचालय व्यवस्था तथा अनुशासित एवं सुरक्षित परिसर सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा सफाई पेयजल सुविधाओं, शौचालय व्यवस्था, विद्यालय प्रांगण तथा अध्यापकों की भौतिक उपस्थिति का गहनता से निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मिली खामियों के सुधार के निर्देश दिए।

- जिला सचिवालय में तालाबों व अमृत सरोवरों को लेकर अधिकारियों ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶यमुनानगर

जिले के तालाबों एवं अमृत सरोवरों के विषय में लघु सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न गांवों में बनाए गए अमृत सरोवरों की साफ. सफाई, विस्तारीकरण व तालाबों एवं अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन के विषय में विचार विमर्श किया गया। उपयुक्त प्रीति ने बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उपयुक्त प्रीति ने कहा कि तालाबों एवं अमृत सरोवरों की नियमित जांच की जाए और जहां खामियां मिलती हैं तो उन्हें



यमुनानगर। बार एसोसिएशन बिलासपुर में मतगणना के बाद खुशी जताते हुए विजेताओं के समर्थक। फोटो: हरिभूमि

बार एसो. बिलासपुर के प्रभजीत सिंह एडवोकेट बने प्रधान

- एडवोकेट प्रभजीत सिंह को मिले कुल 245 मत
- एडवोकेट प्रभजीत सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 119 मतों के अंतर से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶यमुनानगर

बार एसोसिएशन बिलासपुर के चुनाव में एडवोकेट प्रभजीत सिंह ने 245 मत प्राप्त कर प्रधान पद पर कब्जा जमा लिया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 119 मतों से हराकर प्रधान पद पर विजय प्राप्त कर ली। चुनाव अधिकारी रणधीर सिंह सैनी ने बताया कि बार एसोसिएशन बिलासपुर के चुनाव में कुल मतदाता 383 थे। जिनमें से 373 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि बार एसोसिएशन बिलासपुर के चुनाव में प्रधान पद पर दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। जिनमें से प्रभजीत सिंह एडवोकेट ने 245 मत प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट विजय

विजय उप प्रधान बने

जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी अनुबाला को कुल 148 मत मिले। वहीं, पुरुष वर्ग में उप प्रधान के पद पर विजय एडवोकेट चुने गए। वह इस पद पर अनपेक्षित चुने गए। जबकि महासचिव के पद पर एडवोकेट योगेश्वर 241 मत प्राप्त कर विजयी बन गए। उनके प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट अमन लाल को कुल 130 मत प्राप्त हुए। वहीं, ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर एडवोकेट शिक्षा देवी को अनपेक्षित चुन लिया गया। इसी तरह कैशियर के पद पर प्रज्जवल शर्मा ने जीत दर्ज की। उन्हें 207 मत मिले। जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट धर्मपाल को 165 मत मिले। चुनाव अधिकारी रणधीर सिंह ने सभी विजेताओं को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

पाल सिंह को 119 मतों के अंतर से हरा दिया। एडवोकेट विजय पाल सिंह को कुल 126 मत प्राप्त हुए। वहीं, महिला वर्ग में उप प्रधान के पद पर एडवोकेट पिंकी देवी ने जीत हासिल की। उन्हें 221 मत मिले।

हैकाथॉन में 23 टीमों ने दिखाई प्रतिभा

- जेएमआईआईआई इंजीनियरिंग कालेज रादौर में स्मार्ट इंडिया हैकाथान का किया आयोजन
- संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶रादौर

जेएमआईआईआई इंजीनियरिंग कालेज में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (ईटरनल) 2026 का आयोजन किया गया। संस्थान के संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्थान की कंप्यूटर साइंस विभाग की प्रभारी उपासना सूद ने बताया कि कार्यक्रम आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की नवाचार



यमुनानगर। रादौर स्थित जेएमआईआईआई कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी और स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं समस्या समाधान कौशल को प्रोत्साहित करना रहा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 23 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वास्तविक जीवन की विभिन्न चुनौतियों के लिए अपने अभिनव एवं तकनीकी समाधानों को प्रस्तुत किया। हैकाथॉन के दौरान

विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच, तकनीकी ज्ञान, टीमवर्क एवं प्रॉब्लम सॉल्विंग रिकल्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिभागी टीमों ने निर्धारित समस्याओं पर गहनता से कार्य करते हुए अपने आईडियाज, प्रोटोटाइप एवं समाधान नियंत्रक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए।

टी बघाई

इस दौरान कोडराइट हब अंबाला के देवाशीष, इन्फोसिस से अभिषेक रैनी और जेएमआईआईआई से डॉ. विशाल गर्ग और सुश्री प्रियांका कांबोज ने नियंत्रक मंडल की भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागी टीमों के आईडियाज एवं प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने सभी प्रतिभागी टीमों को बधाई देते हुए कहा कि स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन जैसे आयोजन विद्यार्थियों को केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं रखते हैं। बल्कि उन्हें वास्तविक चुनौतियों को समझने, टीम के रूप में कार्य करने और नवाचार के माध्यम से समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

विद्यालय सर्वांगीण विकास का आधार: संधावा तालाबों एवं अमृत सरोवरों की जांच करें



यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को तालाबों को लेकर दिशा निर्देश देते हुए उपयुक्त प्रीति। फोटो: हरिभूमि

मत्स्य पालन के लिए तालाब चिह्नित करें

उपयुक्त प्रीति ने कहा कि मत्स्य पालन के लिए जिला में तालाब चिह्नित किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इससे संबंधित जी भी कार्य है उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाए और अमृत सरोवरों का उपयोग मत्स्य पालन के लिए किया जाए। जिससे पंचांगों को गांवों के विकास के लिए अतिरिक्त आय का साधन मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय लोगों, सरपंचों और पंचों को साथ लेकर कार्य करें। मौके पर बैठक में एडीसी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदि मौजूद रहे।

तुरंत दूर करने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी गांवों में इस तरह

प्रबंध किया जाए कि नालियों का पानी अमृत सरोवरों में न जाए।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने श्रीगुरु रविदास मंदिर में पहुंची कलश वंदन यात्रा कार्यक्रम में की भागीदारी

श्री गुरु रविदास महाराज ने मानव जाति को दिया प्रेम और परोपकार का संदेश : कंवरपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶यमुनानगर

संत शिरोमणि गुरु श्री रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में काशी के सीर गोवर्धनपुर स्थित जन्म स्थान से शुरू हुई पवित्र कलश वंदन यात्रा का शनिवार को छछरौली के श्रीरविदास मंदिर में पहुंचने पर स्वागत किया गया।

मुख्यातिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने भाग लिया। कंवरपाल ने बताया कि शनिवार को यात्रा के छछरौली में श्री



यमुनानगर। श्री गुरु रविदास मंदिर में पहुंची कलश वंदन यात्रा के स्वागत के दौरान आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर।

गुरु रविदास मंदिर में पहुंचने पर कस्बा समेत लोथो, ताहरपुर कलां, शेरपुर, दसौरा, गनौली, बलौली,

लेदी, भीलपुरा, शेखूमाजरा, जयधर, जयधरी, कोट, हडौली समेत आसपास के गांववासियों ने

पवित्र कलश वंदन यात्रा पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी

महाराज का जीवन मानवता, समानता, सेवा और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है।

खबर संक्षेप

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में

मंत्री सुनैगे जन समस्याएं

अंबाला। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज अपनी विधानसभा अम्बाला छावनी क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को अपने घर के बजाए अब अंबाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हर वीरवार को दोपहर 12:00 बजे से सुनंगे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी क्षेत्र के निवासी इस अवधि के दौरान अपनी समस्या लेकर प्रत्येक वीरवार दोपहर 12:00 बजे से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में उनसे मिलकर अपनी समस्या रख सकते हैं। गौरतलब है कि मंत्री अनिल विज जनता को त्वरित न्याय दिलाने के लिए जाने जाते है। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न भाषाओं के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहते हैं जिससे शिकायतों पर जल्द कार्रवाई होती है।

नवप्रवेशित छात्रों के लिए हुआ अभिमुखीकरण

बराड़ा। लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बीएड सत्र 2026-28 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बीएड पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालय प्रशिक्षण एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित करवाना रहा। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राध्यापिका प्रीति एवं अन्य प्राध्यापक सदस्यों ने विद्यार्थियों को बीएड के विभिन्न विषयों, विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रायोगिक कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थी संवाद सत्र रहा। इसमें नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने अपने पूर्व शैक्षणिक अनुभवों, रुचियों, विचारों और भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया।

पद्मावती कॉलेज में हुई हिंदी सप्ताह गतिविधियां

शहजादपुर। महारानी पद्मावती राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे हिंदी सप्ताह के तहत ‘मुहावरे, लोकोक्ति और पहेली बताओ’ प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया।विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) मीनाक्षी ने कहा कि मुहावरे, लोकोक्तियां और पहेलियां हमारी भाषा की आत्मा हैं, जो कम शब्दों में गहरी बात कहने की क्षमता देती हैं। आज की प्रतियोगिता में छात्राओं का प्रदर्शन यह साफ दर्शाता है कि वे अपनी लोक-संस्कृति और व्यवहारिक हिंदी से कितनी गहराई से जुड़ी हुई हैं।

यूपीआई से सीधे क्रेडिट लाइन को मिलेगा बढ़ावा

करनाल। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने ग्लोबल फिन्टेक फेस्ट-2026 में देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नई पहलों का शुभारंभ किया। इसमें तत्काल रुपे कार्ड और मर्चेन्ट यूपीआई क्यूआर जारी करने के लिए ओपन-सोर्स एंड्रॉइड एटीएम, युनिटद सरकार समर्थित ऋण योजनाओं के लिए ‘यूपीआई पर क्रेडिट लाइन’ तथा आधार सक्षम भुगतान प्रणाली के तहत थर्ड पार्टी क्रेश डिपॉजिट की सुविधा शामिल है। इस दौरान भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सीईओ सौरभ विजय भी मौजूद रहे।

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक

ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

हिंदी भाषा हमारी सभ्यता और संस्कृति की संवाहक : प्रोफेसर महासिंह पूनिया

- एसए जैन कॉलेज में हुई भाषण व कविता प्रतियोगिता

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

एस.ए.जैन (पी.जी.) कॉलेज में हिंदी साहित्य परिषद द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राज्यस्तरीय अंतर्महाविद्यालय भाषण और कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर (डॉ.) महासिंह सिंह पूनिया, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने तथा विशिष्ट अतिथि के रूप डॉ. सूर्य नारायण पांडा, प्रो-वाइस चांसलर



अंबाला । डॉ. महासिंह पूनिया को सम्मानित करते प्रतियोगिताओं के आयोजक

चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा (पंजाब) ने शिरकत की। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) विनीत जैन ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और निर्णायक मंडल का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी भाषा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव की प्रतीक है। प्राचार्य ने कहा कि हिंदी भाषा हमें अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य

करती हुई हमारी सभ्यता तथा संस्कृति को जीवंत बनाए हुए है तथा वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा दिन प्रतिदिन अपनी नई पहचान बना रही है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने कहा कि हिंदी हमारी सभ्यता और संस्कृति की संवाहक है। हिंदी हमारी परंपराओं, संस्कारों, लोकजीवन को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे

वाइस प्रेसिडेंट के लिए एडवोकेट सुभाष बहगल को मिली सबसे बड़ी जीत

एडवोकेट रोहित जैन ने रचा इतिहास पांचवीं बार बने बार एसो. के प्रेसिडेंट

एडवोकेट रोहित जैन ने चुनाव में रमन शर्मा को 176 वोट से शिकस्त दी, गगन कोहली बने सचिव, वकीलों में छाई खुशी की लहर

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

जिला बार एसोसिएशन में एडवोकेट रोहित जैन की पांचवी बार ताजपोशी हो गई। इस जीत के साथ ही उन्होंने नया इतिहास रच दिया है। इस बार एडवोकेट रोहित जैन ने चुनाव में एडवोकेट रमन शर्मा को 176 वोट से शिकस्त दी। इससे पहले एडवोकेट रोहित जैन डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चार बार प्रेसिडेंट रह चुके हैं। जैन की जीत के बाद दर रात तक वकीलों ने दोल की थाप पर जमकर जश्न मनाया। उधर वाइस प्रेसिडेंट के पद पर इस बार एडवोकेट सुभाष बहगल को



अंबाला । जीत के बाद जश्न मनाते रोहित जैन के समर्थक। फोटो : हरिभूमि

एडवोकेट सुभाष बने वाइस प्रेजिडेंट
बार चुनाव में इस बार वाइस प्रेजिडेंट पद एडवोकेट सुभाष बहगल को बड़ी जीत मिली। उन्होंने 1140 वोट हासिल किए जबकि एडवोकेट गुरजोत सज्जापाल को 322 वोट मिले। एडवोकेट सचिन चौहान 880 वोट लेकर कैथियर बने। चौहान ने मोहम्मद बर्कम को हरारा संयुक्त सचिव पद पर एडवोकेट हितांशी चावला को जीत मिली। हिमांशी ने दो सांनियर वकीलों को पराजित किया। 753 वोट लेकर गगन कोहली सचिव बने दूसरे नंबर पर रहे विक्रम सैनी को 495 वोट मिले। एडवोकेट मुद्गुल राज, एडवोकेट हर्षित बतरा व कमलजीत गुर्जर कार्यकारिणी सदस्य बन गए।

बड़ी जीत मिली। उन्होंने एडवोकेट गुरजोत सिंह जसपाल को एकतरफा मुकाबले में पराजित किया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में इस

बार मुकाबला बेहद टक्कर का होने के बात कही जा रही थी। मगर चुनाव में पहले दिन से ही सांनियर व जूनियर वकीलों के पुरजोर समर्थन की वजह से

जनसेवा के संकल्प को चंडीगढ़ में जनभागीदारी से आगे बढ़ाएगी भाजपा टीम : जतिंदर मल्होत्रा

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस तथा मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की पूर्णता के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आज भाजपा चंडीगढ़ कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर मल्होत्रा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अभियान की विस्तृत जानकारी साझा की। इस प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश मंत्रमंत्री रामबीर भट्ठी, मीडिया प्रभारी रवि रावत, मीडिया सेल इंचार्ज ललित तक्रियार, लीगल सेल इंचार्ज रंजन लोहान आे उपस्थित रहे । मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुभासन, समर्पण और जनकल्याण की अद्वितीय यात्रा के प्रतीक हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह यात्रा आज देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर जनसेवा को समर्पित है। इसी भावना के साथ भाजपा इस बार केवल सेवा पखवाड़ा नहीं, बल्कि एक माह तक चलने वाला ‘सेवा संकल्प अभियान’ आयोजित कर रही है, जिसका मूल मंत्र है— ‘जन सेवा ही प्रभु सेवा’। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए राजनीति सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है और ‘सेवा ही संगठन’ हमारा संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास के माध्यम से देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकार का लाभ पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया गया है। चंडीगढ़ भाजपा के लीगल सेल द्वारा नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ‘न्याय परामर्श केंद्र’ को शुरुआत की गई है। इसके अंतर्गत लीगल सेल की टीम हर शुक्रवार भाजपा कार्यालय, सेक्टर-33, चंडीगढ़ में उपलब्ध रहेंगी और नागरिकों को कानूनी समस्याओं को सुनकर उन्हें आवश्यक कानूनी परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। इस पहल का उद्देश्य चंडीगढ़ के नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके अधिकारों की रक्षा के लिए मार्गदर्शन देना तथा जरूरतमंद नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है।

शेष छावनी में स्ट्रॉम वॉटर पाइप डालने के कार्य का शुभारंभ करेंगे परिवहन मंत्री अनिल विज

अंबाला। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के अंशद प्रयासों से अंबाला छावनी सदर क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप लाइन सफलतापूर्वक डालने के पश्चात अब शेष अंबाला छावनी क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप लाइन डाली जाएगी। इस कार्य का शुभारंभ रविवार 13 सितंबर को प्रातः 11:00 बजे एकता विहार चौक पर वैष्णो माता मंदिर के पास ऊर्जा मंत्री अनिल विज अपने कर-कमलों से करेंगे। 57.42 करोड़ रुपये की लागत से अंबाला छावनी में यह स्ट्रॉम वॉटर पाइप डाली जाएगी जिससे जलता को ओपन नालियों से बिजात मिलेगा एवं स्वच्छ वातावरण मिलेगा। गौरतलब है कि इससे पहले ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अंबाला छावनी के सदर क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डाली जा चुकी है जिससे सदर इलाके के लगभग 144 बड़े व छोटे नालों को अंडरबाइट किया जा चुका है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

निर्माणाधीन 100 से 200 बेड के अस्पताल का कार्य, टीबी अस्पताल की जांची वास्तविकता

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पूर्व मंत्री असीम गोयल नचौला ने शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में जन स्वास्थ्य निगम, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग, शिक्षा विभाग, बिजली निगम व विधानसभा संयोजक रितेश गोयल मौजूद रहे। पूर्व मंत्री असीम गोयल



अंबाला । मीटिंग में मौजूद पूर्व मंत्री व प्रशासनिक अधिकारी ।

लेते हुए चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति जानी। इस मौके पर उपायुक्त सुमन गुप्ता, एसडीएम दर्शन कुमार व विधानसभा संयोजक रितेश गोयल मौजूद रहे। पूर्व मंत्री असीम गोयल

हिंदी का लगातार बढ़ रहा वैश्विक प्रभाव : डॉ. पांडा
विशिष्ट अतिथि डॉ. सूर्य नारायण पांडा, सम-कुलपति, चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा (पंजाब) ने कहा कि हिंदी का वैश्विक प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। हिंदी साहित्य, सिनेमा, संगीत और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर नई पहचान प्रदान की है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हिंदी का प्रयोग केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने दैनिक जीवन और रचनात्मक अभिव्यक्ति में भी हिंदी को अपनावें। इस कार्यक्रम में हिंदी और पंजाबी विभाग द्वारा संपादित 'भारतीय ज्ञान परंपरा' में निहित साहित्य, समाज और वैज्ञानिकता' पुस्तक का विमोचन किया गया। जिसके मुख्य संपादक डॉ. बलजीत सिंह और संपादक डॉ. बलवान सिंह, डॉ. अनिल तोंमर, डॉ. सुनील काजल को कॉलेज प्राचार्य, मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने बधाई दी।इस कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका प्राध्यापिका श्रीमती मोना, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन अम्बाला, प्राध्यापिका सुश्री ज्योति, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, प्रेमनगर अम्बाला, प्राध्यापक श्री लखबीर सिंह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नगमल अम्बाला ने अदा की।

बढ़ाती है। उन्होंने बताया कि हिंदी भाषा का वैश्विक स्तर पर प्रचार करने में हिंदी सिनेमा, सोशल मीडिया और बाजार का अहम योगदान है। उन्होंने

कहा कि हिंदी भाषा अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने भावों, विचारों को सहजता और सरलता से अभिव्यक्त करते हैं।

अनुभव-नेतृत्व का सम्मान

एडवोकेट रोहित जैन का जिला बार एसोसिएशन के साथ लंबे समय से जुड़ाव रहा है। वह इससे पहले भी चार बार बार एसोसिएशन के प्रधान रह चुके हैं। इस प्रकार पांचवीं बार प्रधान निर्वाचित होना उनके प्रति अधिवक्ता समुदाय के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। उनके पिता एडवोकेट रमणीय सतीश जैन खुद सात बार बार एसोसिएशन के प्रेजिडेंट रह चुके हैं। सालों से जैन परिवार वकीलों के साथ एक परिवार की तरह से जुड़ा है। एडवोकेट रोहित जैन ने हमेशा बार से जुड़े मुद्दों को केवल चुनाव के समय नहीं बल्कि लगातार वकीलों के हितों के साथ जोड़कर उठाया। बार की गरिमा व वकीलों की सुविधाओं, उनके अधिकारों तथा बार-बैच के बीच बेहतर समन्वय को लेकर उनका अनुभव लंबे समय से समुदाय के सामने रहा है। रोहित जैन के समर्थक वकीलों का कहना है कि उनके पास बार एसोसिएशन के कामकाज और वकीलों की समस्याओं की गहरी समझ है। लंबे समय तक विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाने के कारण उन्हें बार की प्रशासनिक व्यवस्था व वकीलों की आवश्यकताओं तथा व्यापिक व्यवस्था से जुड़े व्यवहारिक पहलुओं का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

रमन कुमार शर्मा को मिले 654 वोट
डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में एडवोकेट रोहित जैन को इस बार 830 वोट वोट मिले जबकि एडवोकेट रमन कुमार शर्मा को 654 वोट पर संतोष करना पड़ा। शर्मा को 176 वोट से हार का सामना करना पड़ा। जीत के बाद एडवोकेट रोहित जैन ने सभी वकील साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि वकीलों के विश्वास, समर्थन और आशीर्वाद की जीत है। उन्होंने कहा कि वह सभी वकीलों को साथ लेकर बार के हित में कार्य करेंगे।

एडवोकेट रोहित जैन को अपनी जीत सुनिश्चित नजर आ रही थी। इसी वजह से उन्होंने बिना किसी टेंशन के अपना चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। रोहित जैन की जीत को उनके लंबे

अनुभव, सक्रिय नेतृत्व और अधिवक्ताओं के बीच मजबूत विश्वास के रूप में देखा जा रहा है। परिणाम घोषित होते ही वकीलों में खुशी की लहर दौड़ गई।

मंत्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश

- फर्श व दीवारों पर फ्लोरिंग चिन्ह लगाने के दिए निर्देश

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

ऊर्जा एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अंबाला-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अंबाला छावनी मे बनाए जा रहे आजादी की पहली लड़ाई के शहीदी स्मारक का जायजा लिया तथा दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले उनका यहाँ पहुँचने पर एसडीएम कनिका गोयल ने पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया। विज ने शहीदी स्मारक का निरीक्षण करते हुए टिकटिंग व्यवस्था का जायजा लिया, साथ ही सभी गैलरियों से लेकर श्रद्धांजली वाली गैलरी तक जिस क्रम में लोग जाएंगे उस क्रम का निरीक्षण किया और जरूरी



अंबाला । अधिकारियों को निर्देश देते मंत्री अनिल विज । फोटो : हरिभूमि

दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिस क्रम में लोग गैलरी के माध्यम से जाएंगे उसके तहत फर्श/दीवारों पर आगे बढ़ने वाले रास्तों पर फ्लोरिंग चिन्ह लगाने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने गैलरी में जहाँ रोशनी व्यवस्था कम है। उसमें नीचे की ओर रोशनी बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि गैलरी के अनुरूप

दी गई रोशनी प्रभावित न हो सके। उन्होंने इस मौके पर सभी गैलरियों के बाहर गैलरी का नाम अंकित करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम कनिका गोयल, निदेशक शहीदी स्मारक डा. कुलदीप सैनी, कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता नवीन राठी आदि मौजूद रहे।

भाषण प्रतियोगिता में पलक ने मारी बाजी
कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुहेल, गांधी संत विश्वल कॉलेज ऑफ एजुकेशन यमुनानगर , द्वितीय स्थान अश्वनीत, गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज अंबाला छावनी, तृतीय स्थान ज्योति, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबाला छावनी और सांत्वना पुरस्कार खुशबू, आर्य (पी.जी.) कॉलेज पानीपत ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पलक नेहरा, संत विश्वल कॉलेज ऑफ एजुकेशन यमुनानगर, द्वितीय स्थान लवकेश, सोहनलाल डी.ए.वी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला शहर, तृतीय स्थान प्रस्तुति, एस.ए. जैन (पी.जी.) कॉलेज अंबाला शहर ने प्राप्त किया।

छात्रों को साहित्य सृजन के प्रति किया जागरूक
हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बलजीत सिंह ने विद्यार्थियों को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए उनको साहित्य सृजन के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. बलवान सिंह ने कविता पाठ प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता के नियमों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम में मंच संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम सचिव डॉ. सुनील काजल ने किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन हिंदी-विभागाध्यक्ष डॉ. बलजीत सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर मुकेश त्रेहन, प्रोफेसर (डॉ.) सुरेश दांडा, प्रोफेसर (डॉ.) सुरेंद्र तंदर, डॉ. अनिल तोंमर, डॉ. जयदीप अत्रि, डॉ. विजय सेठ, डॉ. रविदत्तापाल, डॉ. सरोज राजी, डॉ. हेमंत कपिल, डॉ. पवन कुमार, प्रो. मनप्रीत कौर, प्रो. गौरव, प्रो. कपिल, प्रो. पवन लोहान और हिंदी साहित्य परिषद के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इमरजेंसी सिजेरियन से मां और बच्चा सुरक्षित



- हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी का कोकून हॉस्पिटल में हुआ सफल इलाज

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

39 वर्षीय महिला को हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी का कोकून हॉस्पिटल, चंडीगढ़ में सफल इलाज किया गया। प्रेग्नेंसी के 37वें सप्ताह में अचानक पानी जैसा तरल पदार्थ निकलने के साथ उन्हें बार-बार खुजली, लालिमा और हाइड्रप्स जैसे रेशेज हुए। डॉक्टरों ने संभावित करीब आठ साल पहले सीजेरियन हो चुका था और इस प्रेग्नेंसी के दौरान वह लगातार डॉक्टरों के निगरानी में थीं। उनकी पिछली डिलीवरी और मौजूदा स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने दोबारा सीजेरियन डिलीवरी की योजना बनाई थी।प्रेग्नेंसी के 37वें सप्ताह में मरीज को अचानक पानी जैसा तरल पदार्थ निकलने लगा, जिससे पानी की थैली फटने की पुष्टि हुई। पहले सीजेरियन और लिवर की बीमारी

को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत स्थिति का आकलन किया और मां-बच्चे की सुरक्षा के लिए इमरजेंसी रिपीट सीजेरियन करने का फैसला लिया। सर्जरी के दौरान यूट्रस के निचले हिस्से में चिपके हुए ऊतकों (एडहीजन्स) को सावधानी से अलग किया गया। इसके बाद 2.8 किलो के स्वस्थ बेटे का जन्म हुआ। ऑपरेशन के दौरान कोई बड़ी जटिलता या ज्वादा ब्लीडिंग नहीं हुई। बच्चे को निर्णायक देखभाल के लिए पीडियाट्रिक टीम को सौंप दिया गया। डिलीवरी के बाद मां को फिर से खुजली, लालिमा और हाइड्रप्स जैसे रेशेज हुए। डॉक्टरों ने संभावित एलर्जिक रिएक्शन की जांच कर एंटीहिस्टामिन और कॉर्टिकोस्टेरोइड दवाएं दीं। एलर्जी के संभावित कारण का पता लगाने के लिए आगे जांच की सलाह दी गई। हॉस्पिटल की सीनियर कंसल्टेंट-ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, डॉ. प्रियंका शर्मा ने कहा, “हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी में लगातार निगरानी और समय पर सही फैसला बेहद जरूरी होता है, खासकर जब एक साथ कई जोखिम हों।



गुरु रविदास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प, पार्श्वों को बाँटे कलश

करनाल। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की जयंती के पावन उपलक्ष्य में गैलिवार को भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में आयोजित कार्यक्रम में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने सहभागिता की। इस दौरान सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के साथ सभी पार्श्वों को कलश यात्रा अभियान के तहत कलश वितरित किए। महापौर ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने अपनी वाणी और जीवन के माध्यम से मानवता, समानता, प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं समाज को एकता और सद्भाव के सूत्र में बांधने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों की सार्थकता तभी है, जब उनसे समाज में सकारात्मक सोच, सेवा भावना और भाईचारे को बढ़ावा मिले। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने कहा कि संत रविदास महाराज की वाणी ने सदियों से समाज को समानता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया है। कार्यक्रम में पार्श्वों और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता करते हुए गुरु रविदास महाराज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक एकता एवं सद्भाव मजबूत करने का संकल्प लिया।

पूर्व मंत्री ने सभी परियोजनाओं के निर्माण को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

लंबित निर्माण योजनाओं का समय पर हो काम पूरा : गोयल

करें। पूर्व मंत्री ने राजकीय महाविद्यालय, वीएलडीए कालेज के साथ-साथ अन्य कार्यों की भी प्रगति जानते हुए इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। पूर्व मंत्री ने सड़कों पर जो भी पैच वर्क का कार्य किया जाना है उस कार्य को करना सुनिश्चित करें और यह भी ध्यान रखें कि सड़कों पर जैबरा क्रॉसिंग, सफेद पट्टी के साथ-साथ जो भी अन्य कार्य है उसे करवाना सुनिश्चित करें। कार्यकारी अभियंता ने बताया कि 24 स्वीकृत सड़कों में से 10 के टेंडर खुल चुके हैं। पूर्व मंत्री ने बैठक के दौरान ओल्ड दिल्ली रोड के दोनों तरफ नाले के कार्यों को किए जाने बारे भी जानकारी ली।

के आवास के साथ-साथ अन्य परियोजनाओं से संबंधित कार्यों की वास्तविकता जांचते हुए उन्हें तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल ने पूर्व मंत्री को अवगत करवाते हुए बताया



आवरण कथा
यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्त' हमारा।' तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पवित्र आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।



जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर पढ़े जाने से पहले, भाषणों में, कहीं सुने जाने से पहले, गुंजी थी वो मेरे कानों में। जैसे गुंजी थी अभिमान्यु के कानों में चक्रव्यूह भेदने की कला। फिर अकसर गुंजती री री रही वो, मां की आवाज में। लोरी में, और पिता की डांट में छिपे दुलार में भी। और उनके कई अनकहे भय के बीच, लैसला देने वाले संसार में भी। उसने तब भी गले लगाया था मुझे जब मैं नहीं जानती थी उसके व्याकरण का कोई नियम। क्योंकि यह उसके और मेरे बीच के

उन रिश्तों की गर्माहट है, जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता कोई शब्दकोश। वो मेरे आंगन में बिखरी सुबह की धूप है। सर पर बनी रहने वाली, ममता की छांव है। दादी की कलनी में हर बार आता हुआ कोई पुराना गांव है। वो और कोई नहीं मेरी हिंदी है। जिसमें बसी है कबीर की निर्भीकता, तुलसी की लोक-गंध की खुशबू प्रेमचंद के पागों का संघर्ष, महादेवी की करुणा, और निराला की विद्रोही चेतना। क्योंकि मेरी हिंदी ने बनाया है राजमहलों से अधिक जन-मन में अपना घर।

विशेष: हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

समावेशी भाषा है हिंदी

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विदंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट



कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को

सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुसकुराई और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?' उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल

भाषाई नहीं, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच करता है, वह धीरे-धीरे अपनी जड़ों से भी दूर होता चला जाता है। हमें इस बात को समझना होगा कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह सोचने की एक शैली होती है, संस्कारों की आगे बढ़ाने का माध्यम होती है। जब बच्चा अपनी दादी की कहानियां, लोरियां हिंदी में नहीं सुन पाता, जब वह लोकगीतों की लय से अपरिचित रह जाता है, तो वह केवल एक भाषा नहीं खोता, अपने भीतर की एक पूरी दुनिया खो देता है।

सभी करें हिंदी का सम्मान

यह कहना उचित होगा कि भाषा का अपमान केवल उस भाषा का अपमान नहीं, वह पूरी संस्कृति का अपमान है। जिस तरह किसी वृक्ष की जड़ों को काटकर उसकी शाखाओं की हरियाली की उम्मीद नहीं की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उताना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लोटाएं। *

लंग्य / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे जाए-जाए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं



लुटेरों, बदमाशों, उठाईगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, रिश्ततखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। *

हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय में पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निकले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्षा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रीबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्षा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। *

-हरिश कुमार 'अमित'

विशेष: गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव



सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहल: गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

गणेश चतुर्थी से आरंभ होने वाला गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं है। इसकी जड़ें भारत की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से भी जुड़ी हैं। इस पर्व का आरंभ सामाजिक समारोहों के रूप में कब और कैसे हुआ, आप जरूर जानना चाहेंगे।

आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शाड़ू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों के समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कायाकल्प का माध्यम थी।

मोदक का औषधीय महत्व: गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकड़ीचे मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खत्म होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेट की अग्नि को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है।

समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्य: भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान गूण

संगीतमय जीवन

विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत की याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रही और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। *

जीवन संगीत गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवाद: मृत्युंजय, मूल्य: 199 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पुस्तक: जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवाद: मृत्युंजय, मूल्य: 199 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकेती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कटे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्राइंग शीट पुलिस अप्रसर की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जीवांज लड़का है, जिसने डकेती से भिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में बेहोश पड़ा है, इसके घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। *

-देवेंद्रराज सुथार

परीक्षा

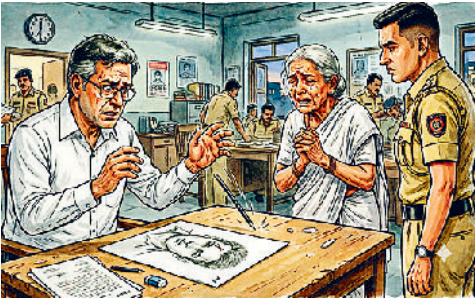
हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय में पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निकले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्षा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रीबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्षा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। *

-हरिश कुमार 'अमित'



छली सदियों की बात है। रात के अंधेरे को चीरती हुई ट्रेन अंबाला की तरफ भागती चली जा रही थी और साथ ही मेरी घबराहट भी बढ़ती जा रही थी। कुछ ही देर में अंबाला आने वाला था। आज सुबह की ट्रेन से मैं पापा के साथ दिल्ली गई थी। पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा देने और अब वापिस लौट रही थी। वापस लौटते हुए ट्रेन में पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। माइग्रेन के दौर के कारण उन्हें चक्कर आने लगे थे और मितली भी। ऐसी तकलीफ उन्हें हर चार-छह महीने में कभी भी



हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय में पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निकले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्षा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रीबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्षा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। *

-हरिश कुमार 'अमित'

इनोवेशंस

शिखर चंद्र जैन

आज हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां इंजीनियरिंग केवल पुलों, इमारतों या पारंपरिक मशीनों के निर्माण तक सीमित नहीं है। अब इंजीनियरिंग एआई, क्वांटम फिजिक्स, बायो टेक्नोलॉजी और जीरो कार्बन एमिशन टेक्नीक पर काम कर रही है। आज इंजीनियरिंग पर हो रहे काम दर्शाते हैं कि आज का इंजीनियर केवल एक निर्माता नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता का रक्षक भी है। सर एम. विश्वेश्वरैया ने जिस दूरदर्शिता की नींव रखी थी, आज की पीढ़ी के इंजीनियर्स उसे अंतरिक्ष से लेकर नैनो-टेक्नोलॉजी तक फैला रहे हैं।

स्ट्रक्चरल बैटरी कंपोजिट्स: पारंपरिक इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी का वजन सबसे बड़ी समस्या रहा है। वर्ष 2025-2026 में कमलिथियल स्तर पर उभरी ‘स्ट्रक्चरल बैटरी’ तकनीक ने इस समस्या का समाधान ढूंढ निकाला। इस इंजीनियरिंग नमूने में, वाहन की बॉडी (जैसे कार की छत या दरवाजे) को ही बैटरी बना दिया जाता है। इसके लिए कार्बन फाइबर को इलेक्ट्रोड के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जो संरचनात्मक मजबूती भी



स्ट्रक्चरल बैटरी कंपोजिट्स

देता है और ऊर्जा भी स्टोर करता है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का वजन 40 प्रतिशत तक कम हो गया है और उनकी रेंज दोगुनी हो गई है। यह तकनीक विमानन और स्मार्टफोन इंजीनियरिंग में भी गेम-चेंजर साबित हो रही है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन: भारतीय रेलवे ने पर्यावरण के अनुकूल परिवहन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। इंजीनियरों ने पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का सफल संचालन शुरू कर दिया है। यह ट्रेन वायुमंडल से ऑक्सीजन और अपने टैंक से हाइड्रोजन लेकर बिजली पैदा करती है। इस प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में केवल पानी और भाप निकलती है। यह पूरी तरह से शून्य-कार्बन उत्सर्जन पर आधारित है।

उपयोगी वृक्ष

वीना गौतम

रामफल का वैज्ञानिक नाम ‘एनोना रेटीकुलटा’ है। इसका अंग्रेजी नाम ‘बुलक्स हार्ट’ और ‘कस्टर्ड एप्पल’ है। यह एनोनासी परिवार का पर्णपाती छोटा फलदार वृक्ष है। रामफल की खेती भले अभी बड़े पैमाने पर न होती हो, लेकिन पिछले एक दशक में जिस तरह इसकी मांग बढ़ी है, उसे देखते हुए यह किसानों की आर्थिक आय बढ़ाने के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

सीताफल से अलग रामफल: रामफल और सीताफल दोनों अलग-अलग फल होते हैं। हां, ये एक ही परिवार के होते हैं। रामफल आकार में बड़ा लाल या भूरे रंग का तथा अधिक मुलायम गूदे वाला होता है।

कहां पाया जाता है: भारत में रामफल के पेड़ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, बंगाल, उत्तर प्रदेश के कुछ भागों, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, राजाल और बिहार में पाए जाते हैं।

सहत के लिए लाभदायक: रामफल में विटामिन सी, विटामिन ए, पोटेशियम, मैग्नीशियम और भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर होता है। यह अत्यंत पाचक, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक, त्वचा के लिए लाभदायक तथा दिल को स्वस्थ रखने में अत्यंत मददगार होता है।



बदलाव

लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब किताब पढ़ना एकांत का आनंद माना जाता था। पाठक किताब खोलता था, दुनिया से कुछ घंटों के लिए कट जाता था और लेखक की बनाई गई काल्पनिक दुनिया में डूबता-उतरता रहता था। लेकिन आज ऐसे गिने-चुने पाठक ही बचे हैं। आज ज्यादातर पाठक मोबाइल स्क्रीन पर कभी ई-बुक पढ़ते हैं, कभी किसी कहानी का ऑडियो सुनते हैं, कभी किसी कविता की कुछ पंक्तियां सोशल मीडिया पर पढ़कर आगे बढ़ जाते हैं। ऐसे में सवाल यह है, क्या पाठकों की संख्या कम हो रही है?

बढ़ी है पाठकों की संख्या: इंटरनेट एंड मोबाइल एप्लिकेशन ऑफ इंडिया और वैश्विक मोबैट रिसर्च कंपनी कांटर की 2024 की एक ‘इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट’ के मुताबिक भारत में 58 फीसदी इंटरनेट के उपयोगकर्ता किसी न किसी रूप में भारतीय भाषाओं की सामग्री का इस्तेमाल कर रहे थे। जबकि शहरी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में 57

देश-दुनिया की तस्वीर बदलने वाले

इंजीनियरिंग के कमाल

हमारे देश में हर साल 15 सितंबर को महान इंजीनियर भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती को ‘इंजीनियर्स डे’ के रूप में मनाया जाता है। यह दिन मानव जीवन को सुगम बनाने वाले इंजीनियरों के इनोवेशन और परिश्रम को समर्पित है। इस मौके पर हाल के वर्षों में विकसित हुए और चलन में आने वाले कुछ ऐसे इंजीनियरिंग इनोवेशंस पर नजर, जो मानव जीवन और देश-दुनिया की तस्वीर पूरी तरह बदल रहे हैं।



स्केलेबल क्वांटम कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर: कंप्यूटर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सुपर कंप्यूटर की सीमाएं समाप्त हो रही हैं। 2026 तक सिलिकॉन आधारित क्वांटम चिपस ने प्रयोगशालाओं से निकलकर डेटा केंद्रों में जगह बनाना शुरू कर दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर के ‘बिट्स’ (0 और 1) के बजाय यह ‘क्यूबिट्स’ पर काम करता है जो सुपरपोजिशन के कारण एक साथ 0 और 1 दोनों हो सकते हैं। इन्हें स्थिर रखने के लिए क्रायोजेनिक कूलिंग इंजीनियरिंग का उपयोग किया जाता है। जो जटिल गणनाएं सामान्य सुपरकंप्यूटर को करने में 10,000 साल लगते, उन्हें यह क्वांटम आर्किटेक्चर कुछ ही सेकेंड में हल कर देता है।

बायोहाइब्रिड रोबोटिक्स: यह मैकेनिकल इंजीनियरिंग और बायोलॉजी का एक अभूतपूर्व मेल है। 2025 के अंत में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने ऐसे रोबोट विकसित किए हैं, जो केवल धातु या प्लास्टिक से नहीं, बल्कि जीवित कोशिकाओं से चलते हैं। 3डी-प्रिंटेड सिंथेटिक कंकाल पर प्रयोगशाला में विकसित की गई चूहे या संवर्धित मानव की मांसपेशियों की कोशिकाएं लगाई जाती हैं। इन्हें विद्युत या प्रकाश संकेतों के माध्यम से सिकोड़ा और फैलाया जाता है।

ये रोबोट बेहद लचीले होते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में ये नैनो-रोबोट क्रांतिकारी हैं।

महासागर थर्मल ऊर्जा रूपांतरण: नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सौर और पवन ऊर्जा के बाद यह सबसे बड़ा इंजीनियरिंग नमूना बनकर उभरा है। यह तकनीक समुद्र की सतह के गर्म पानी (लगभग 25 डिग्री. सेंटीग्रेड) और गहराई के ठंडे पानी (लगभग 5 डिग्री. सेंटीग्रेड) के बीच के तापमान के अंतर का उपयोग करके टरबाइन चलाती है और बिजली पैदा करती है। सौर ऊर्जा के विपरीत, यह रात में भी 24 घंटे लगातार बिजली दे सकती है। साथ ही, इस प्रक्रिया से शुद्ध पीने योग्य पानी भी प्राप्त होता है।

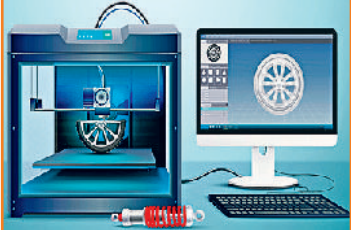
डिजिटल ट्विंस आर्किटेक्चर: इसके तहत मेगास्ट्रक्चर (जैसे गगनचुंबी इमारतें और स्मार्ट सिटी) का निर्माण सीधे जमीन पर नहीं, बल्कि पहले वर्चुअल स्पेस में होता है। ‘डिजिटल ट्विन’ तकनीक के माध्यम से पूरी



महासागर थर्मल ऊर्जा रूपांतरण

इमारत का एक सटीक डिजिटल रूप तैयार किया जाता है। इसके बाद जेनरेटिव एआई उस पर भूकंप, चक्रवात और अत्यधिक गर्मी के हजारों सिमुलेशन रन करता है। इससे निर्माण शुरू होने से पहले ही डिजाइन की कमियों को दूर कर लिया जाता है।

4डी प्रिंटिंग तकनीक: 3डी प्रिंटिंग से आगे बढ़ते हुए, इस वर्ष 4डी प्रिंटिंग ने विनिर्माण क्षेत्र में तहलका मचा दिया है। इसके तहत ऐसी ‘स्मार्ट’ सामग्रियों को प्रिंट किया जाता है, जो पर्यावरण (जैसे तापमान, नमी या प्रकाश) के बदलने पर अपना आकार बदल लेती हैं।

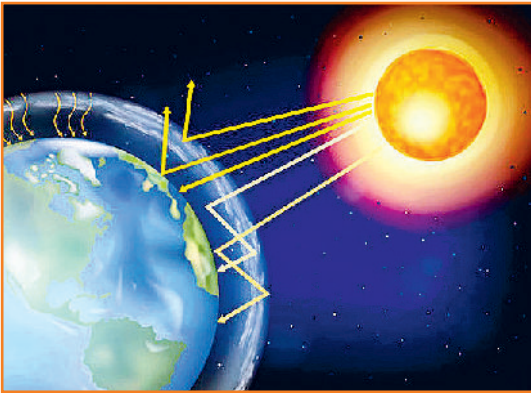


4डी प्रिंटिंग तकनीक

उदाहरण के लिए, पानी के पाइप जो खुद ही सिकुड़ या फैल सकते हैं।

स्पेस डिब्री कैप्चर सिस्टम: अंतरिक्ष में तेरता कचरा (पुराने उपग्रहों के टुकड़े) मानव जाति के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। एयरोस्पेस इंजीनियरों ने 2025-2026 में सक्रिय मलबे को हटाने के सफल रोबोटिक मिशन को अंजाम देना शुरू कर दिया है। इन प्रणालियों में चुंबकीय जाल, रोबोटिक आर्म्स और लेजर-असिस्टेड गाइडेड सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जो अंतरिक्ष में तेरते मलबे को पकड़कर पृथ्वी के वायुमंडल में लाकर सुरक्षित रूप से जला देते हैं।

सेल्फ हीलिंग कंक्रीट: सिविल और केमिकल इंजीनियर्स ने मिलकर ऐसे ‘जीवित’ कंक्रीट का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया है, जो सड़क की दरारें खुद भर लेता है। कंक्रीट के मिश्रण में विशेष बैक्टीरिया और पोषक तत्वों के कैप्सूल मिलाए जाते हैं। जब कंक्रीट में दरार आती है और पानी अंदर जाता है, तो ये बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं और चूना पत्थर का उत्पादन करके दरार को सील कर देते हैं। इस तरह ये इनोवेशंस क्रांतिकारी कहे जा सकते हैं। *



सुरक्षित पृथ्वी के लिए जरूरी

ओजोन परत की सुरक्षा

अवेयरनेस

अंजु जैन

हर साल 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस (वर्ष 1987 में ओजोन सुरक्षा को लेकर हुए ‘मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल’ पर सहमति की वर्षगांठ पर) मनाया जाता है। इस वर्ष ओजोन दिवस की थीम ‘ठंडे ग्रह के लिए ग्लोबल एक्शन’ डिसाइड की गई है। यह थीम दर्शाती है कि ओजोन परत न केवल यूवी (पराबैंगनी) किरणों से हमारी रक्षा करती है, बल्कि यह ग्लोबल वार्मिंग को कम करके हमारे ग्रह को ठंडा रखने में भी बड़ी भूमिका निभाती है।

ओजोन परत का महत्व: ओजोन परत, वातावरण के समताप मंडल में स्थित गैस की एक परत है, जो सूर्य की हानिकारक यूवी विकिरण को अवशोषित करती है। यदि यह परत पतली हो जाए, तो पृथ्वी की सतह पर पराबैंगनी किरणें सीधे पहुंचेंगी, जिससे न केवल जीवन पर संकट मंडराएगा बल्कि पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ने से कई समस्याएं भी पैदा होंगी। 2026 की थीम का ‘कूलर प्लेनेट’ यानी ठंडे ग्रह पर ध्यान केंद्रित करना यह याद दिलाता है कि ओजोन की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करना एक-दूसरे से संबंधित हैं।

ओजोन परत का महत्व: ओजोन परत, वातावरण के समताप मंडल में स्थित गैस की एक परत है, जो सूर्य की हानिकारक यूवी विकिरण को अवशोषित करती है। यदि यह परत पतली हो जाए, तो पृथ्वी की सतह पर पराबैंगनी किरणें सीधे पहुंचेंगी, जिससे न केवल जीवन पर संकट मंडराएगा बल्कि पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ने से कई समस्याएं भी पैदा होंगी। 2026 की थीम का ‘कूलर प्लेनेट’ यानी ठंडे ग्रह पर ध्यान केंद्रित करना यह याद दिलाता है कि ओजोन की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करना एक-दूसरे से संबंधित हैं।

ट्रेप्चर कंट्रोल है जरूरी: बढ़ते शहरीकरण और लगातार उच्च होते तापमान के कारण, रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसी कूलिंग तकनीकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। भोजन को सड़ने से बचाने, जीवन रक्षक दवाओं और टीकों को सुरक्षित रखने (कोल्ड चेन बनाए रखने) और गर्म मौसम में इंसानी कार्यक्षमता को बनाए

रखने के लिए कूलिंग अनिवार्य है। लेकिन विरोधाभास यह है कि कूलिंग सिस्टम भारी मात्रा में बिजली की खपत करती हैं और उनमें इस्तेमाल होने वाली गैसें पर्यावरण को गर्म करती हैं। इसलिए 2026 की थीम ‘कूलिंग’ पर जोर देती है, जिसका अर्थ है ऐसी कूलिंग तकनीकें विकसित करना जो कम एनर्जी खपत करें और ग्लोबल वार्मिंग को न बढ़ाएं।

ग्रीन रेफ्रिजेंट्स का उपयोग: ‘एक ठंडे ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई’ का लक्ष्य बिना तकनीकी इनोवेशन के हासिल नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने अमोनिया, कार्बन डाईऑक्साइड और हाइड्रोकार्बंस (जैसे प्रोपेन और आइसोब्यूटेन) जैसे नेचुरल रेफ्रिजेंट्स के उपयोग के तरीके बताए हैं, जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। इसके अतिरिक्त हाइड्रोफ्लूरोओलेफिन जैसी नई पीढ़ी की सिंथेटिक गैसों का आविष्कार हुआ है, जिनका

वायुमंडलीय जीवनकाल बहुत कम होता है। इन इनोवेशंस ने एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन उद्योगों को इकोफ्रेंडली समाधानों की ओर मोड़ने में मदद की है।

भारत की महत्वपूर्ण भूमिका: भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है, जिसने 2019 में एक व्यापक ‘इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान’ लॉन्च किया था। यह प्लान 2026 की थीम के लक्ष्यों के साथ पूरी तरह मैच करता है। इस एक्शन प्लान का उद्देश्य अगले 20 वर्षों में सभी क्षेत्रों में कूलिंग की मांग को 20 से 25 प्रतिशत तक कम करना, रेफ्रिजरेटर और एसी के लिए ऊर्जा आवश्यकताओं को घटाना और कूलिंग केमिकल्स के स्वदेशी और टिकाऊ ऑप्शंस को बढ़ावा देना है। *



हम सभी निभाएं अपनी जिम्मेदारी

एक ठंडे ग्रह के निर्माण की जिम्मेदारी सिर्फ सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं या बहुराष्ट्रीय कंपनियों की नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक जागरूक नागरिक के रूप में हम निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं-

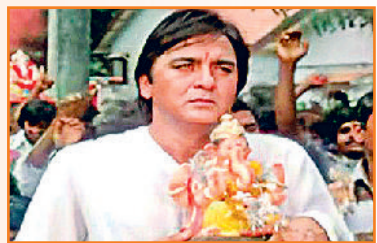
- एसी या रेफ्रिजरेटर खरीदते समय हमेशा उच्च ऊर्जा दक्षता रेटिंग (स्टार लेबलिंग) और ओजोन-सुटेबल तकनीक वाले उपकरण ही चुनें।
- अपने कूलिंग उपकरणों की नियमित सर्विसिंग कराएं ताकि रेफ्रिजरेटर गैसों की लीकेंज (रिसाव) को रोका जा सके।
- अपने वाहनकूलित (एसी) उपकरणों को अत्यधिक कम तापमान (जैसे 18 डिग्री सेंटीग्रेड) के बजाय एक आरामदायक और ऊर्जा-बचत वाले तापमान (जैसे 24 डिग्री से 26 डिग्री सेंटीग्रेड) पर चलाएं।
- पुराने और खराब हो चुके कूलिंग उपकरणों जैसे-फ्रिज और एयर कंडीशनर का डिस्पोजल, केवल प्रमाणित ई-वेस्टेज रीसाइकलर्स के माध्यम से ही करें।

सिने ट्रेंड

हेमंत पाल

फिल्मों में भक्ति आधारित कहानियों का नाता उतना ही पुराना है, जितना भारतीय फिल्म उद्योग का इतिहास। जब मूक सिनेमा का दौर समाप्त हुआ और सवाक फिल्मों का आगमन हुआ, तब पौराणिक कथाओं और देवताओं की स्तुति को फिल्मी कहानियों का केंद्र बनाया गया। फिल्मों के कथानक में समय-समय पर अनेक देवी-देवताओं की पौराणिक कथाओं को फिल्माया जाता रहा है। ब्लैक एंड व्हाइट दौर से लेकर आज के आधुनिक मल्टीप्लेक्स सिनेमा तक, जिन देवताओं की सबसे अधिक वंदना और भक्ति पदों पर दिखाई दी, उनमें विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश भी शामिल हैं।

विघ्न नाश के दृश्यों में श्री गणेश: भारतीय संस्कृति में गणेश जी प्रथम पूज्य माने जाते हैं। फिल्मों में भी इस आस्था से जुड़ी परंपरा का पालन किया। किसी भी बड़े मिशन, पारिवारिक कहानी, एक्शन ड्रामा या थ्रिलर में संकट के निवारण या नई शुरुआत के लिए फिल्मों में अकसर प्रथम पूज्य गजानन की वंदना दिखाई जाती रही है। गणेश जी के गीत अकसर फिल्म के मुख्य नायक के बड़े संकल्प, समाज के



‘दरद का रिश्ता’ का गीत ‘गणपति बप्पा मोरया’

एकत्रीकरण या फिर किसी विशाल आयोजन को स्थापित करने के लिए रचे जाते रहें हैं। गणेश जी का रूप विघ्नहर्ता का है, इसलिए कई बार फिल्म की कहानी में जब कोई बड़ा संकट आता है या किसी बड़े मिशन का शुरुआत होती है तो पटकथा लेखक गणेश वंदना का सहारा लेते हैं।

शुरुआती फिल्मों में श्री गणेश: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट दौर में ‘श्री गणेश महिमा’ और ‘श्री गणेश विवाह’ जैसी धार्मिक फिल्मों से शुरू हुआ भगवान गणेश के गुणगान का सफर व्यावसायिक सिनेमा के ताने-बाने में इस तरह रचा-बसा कि गणपति केवल मंदिर के दृश्य तक सीमित न रहकर सीधे कथानक का हिस्सा बनते रहे हैं। ब्लैक एंड व्हाइट और क्लासिक दौर में गणेश वंदना का रूप पारंपरिक और शास्त्रीय रहा करता था। ‘श्री गणेश विवाह’ का प्रसिद्ध गीत ‘जय वंदन गिरिजा के नंदन’ या ‘हमसे बढ़कर कौन’ का कालजयी गीत ‘देवा हो देवा गणपति देवा, तुमसे बढ़कर कौन’ जैसे गीत दर्शकों को

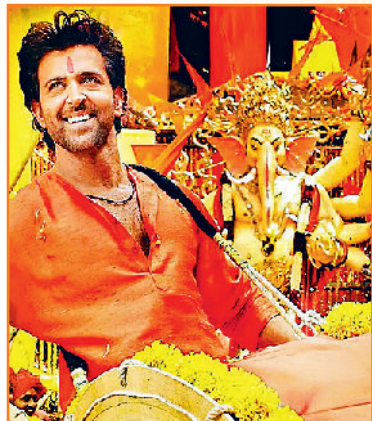
सिनेमा के पर्दे पर श्री गणेश सिर्फ आस्था के प्रतीक बनकर नहीं आए, बल्कि एंड व्हाइट दौर की धार्मिक फिल्मों से लेकर आज के आधुनिक दौर तक हिंदी फिल्मों के कथानक और गीतों में भगवान श्री गणेश को प्रस्तुत किया जाता रहा है। कहानी को आगे बढ़ाने, उसके टर्निंग प्वाइंट्स को गति देने में भी गणपति पूजन-वंदन को महत्व दिया जाता रहा है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब हुआ है

गणपति का गुणगान



‘हमसे बढ़कर कौन’ का गीत ‘देवा हो देवा’



‘अग्निपथ’ का गीत ‘देवा श्री गणेश’

भक्ति में सराबोर हो झूमने पर मजबूर कर देते हैं। फिल्म ‘दरद का रिश्ता’ में ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ’ ने मानवीय संवेदनाओं और बीमारी से जुझती एक बच्ची के पिता के भावनात्मक मनोदशा को गणेश उत्सव से जोड़कर फिल्माया गया।

कथानक को नया मोड़ देते गणपति गीत: जैसे-जैसे सिनेमा बदला, गणेशजी पर आधारित गीतों का शिल्प भी बदला। 90 के दशक में फिल्म ‘वास्तव’ का गीत ‘सिंदूर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुख को’ एक ओर तो गंभीर पूजा की अनुभूति कराता है, वहीं दूसरी ओर कहानी में

और धर्म युद्ध की शुरुआत का प्रतीक भी बनता है। इसी तरह ‘डॉन’ (2006) फिल्म में ‘मोरया रे बप्पा मोरया रे’, ‘एबीसीडी 2’ के ‘हे गणराया’ गीत, कथानक में नया मोड़ लेकर आते हैं।

बढ़ता है सिने-दृश्यों का प्रभाव: ब्लैक एंड व्हाइट दौर के सादे और भक्तिभाव से पूर्ण भजनों से लेकर आज के रॉक और प्यूजन धुनों पर थिरकते गणेश वंदना के गानों तक, सिनेमा ने यह सिद्ध किया है कि विघ्नहर्ता भगवान गणेश भारतीय दर्शकों के दिल के सबसे करीब हैं। गणेश जी के गीतों की लय में जो सामूहिकता,



‘डॉन’ का गीत ‘मोरया रे बप्पा मोरया’

मराठी संस्कृति का प्रभाव

फिल्मों में गणेश जी के गानों की बहुलता और उनकी स्वीकार्यता का मुख्य कारण उनका विघ्नहर्ता रूप और मराठी संस्कृति में गणेशोत्सव का बृहद प्रभाव है। मुंबई, जो हिंदी सिनेमा की मुख्य भूमि है, वहां गणेशोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान न होकर एक सामाजिक उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। इसीलिए फिल्मकारों ने जनमानस से जुड़ी इस स्थायीय ऊर्जा को पर्दे पर उतारने के लिए गणेश जी पर केंद्रित गीतों को कहानी के महत्वपूर्ण मोड़ (क्लाइमेक्स या टर्निंग प्वाइंट) पर बखूबी इस्तेमाल किया है।